माता रतनगढ़ वाली मंदिर
(दर्शन गाईड)

माँ रतनगढ़ सेवा समिति
तहसील-सेंवढ़ा, जिला-दतिया (म.प्र.)

रतनगढ़ दर्शन

जय माता दी

इस रतनगढ़ गाईड में......

माता रतनगढ़ वाली मंदिर...एक परिचय

(पृष्ठ-3)

मंदिर दर्शन कैसे होंगे एवं आरती का समय, प्रसाद,

(पृष्ठ-4 से 6)

रतनगढ़ में वार्षिक आयोजन

(पृष्ठ-7 से 8)

कैसे पहुंचें रतनगढ़ धाम?

(पृष्ठ-9)

आस-पास के प्रमुख दर्शनीय स्थल, रूट मैप

(पृष्ठ-10 से 12)

कहां रूक सकते हैं?

(पृष्ठ-13)

रतनगढ़ दर्शन

रतनगढ़ दर्शन

वो सबकुछ जो आपके लिए जानना जरूरी

यदि आप रतनगढ़ वाली माता मंदिर के दर्शन करने
का प्लान कर रहे हैं तो इस गाईड में आपको
मिलेगी सम्पूर्ण जानकारी।
इसमें वो सभी जानकारियां संकलित है, जो रतनढ़
पहुंचने से लेकर मंदिर दर्शन और आस-पास घूमने
में मददगार सावित होगी।

जय माता दी

माता रतनगढ़ वाली मंदिर .... एक परिचय

मध्यप्रदेश के ग्वालियर संभाग के अंतर्गत दतिया जिले की उत्तरी सीमा के निर्धारण में सिंध नदी बहती है। इसी सिंध नदी के किनारे पर घनघोर जंगल में माता रतनगढ़ वाली मंदिर स्थित है। जिला दतिया की तहसील सेंवढ़ा के प.ह. कमांक 11 खमरौली के ग्राम पाली में विंध्याचल पर्वत श्रृंखला में माता रतनगढ़ वाली का मंदिर लगभग 1041 फीट की उंचाई पर स्थित है। इसका थाना अतरेटा आता है।

यह मंदिर पूरी तरह वन भूमि पर स्थित है। जो वनमण्डल दतिया के वनपरिक्षेत्र सेंवढ़ा में स्थित है। जो संरक्षित वन के अंतर्गत आता है। तथा मंदिर क्षेत्र वन कक्ष कमांक (फोरेस्ट कंपार्टमेंट) पी–29, पी–30 में स्थित है।

यहां पर माता रतनगढ़ वाली एवं उनके भाई कुंवर बाबा का मंदिर स्थित है। इस मंदिर पर मांगी गई ''मन्नत'' पूर्ण होने से मंदिर की आस्था श्रृद्धालुओं एवं दर्शनार्थियों को यहां दर्शन हेतु खींचकर लाती है।

वैसे तो वर्ष भर प्रति सोमवार, चैत्र नवरात्रि, शारदीय नवरात्रि एवं प्रतिवर्श पड़ने वाली दोनों गुप्त नवरात्रि पर मेला लगता है। परन्तु माता रतनगढ़ वाली मंदिर पर कार्तिक माह में दीपावली दोज के दिन विशाल लक्खी मेले का आयोजन परंपरागत रूप से विगत कई वर्षो से आयोजित होता आ रहा है। वर्ष 2024 में इस मेले में लगभग 25–30 लाख श्रृद्धालुओं ने दर्शन लाभ प्राप्त किया था। मान्यता है कि दीपावली दोज के दिन यहां पर दर्शन करने से 'मन्नत' पूर्ण होती है। साथ ही दीपावली दोज के दिन यहां पर सर्पदंश के बंध खोले जाने की परंपरा का भी निर्वहन किया जाता है। यह मेला लगभग 25–30 वर्गकिलोमीटर क्षेत्र में जिला दतिया एवं जिला ग्वालियर के क्षेत्र में फैला रहता है। मंदिर पंहुचने के लिए सिंध नदी को पार करना पड़ता है।

यह मंदिर ऐतिहासिक एवं धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है सेंवढ़ा से लगभग 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित रतनगढ़ धाम की महिमा जगत विख्यात है।

रतनगढ़ दर्शन

जय माता दी

रतनगढ़ वाली माता मंदिर कब खुलता है...

प्रत्येक दिन सुबह 4:00 बजे से रात्रि 8:30 बजे तक मंदिर के पट दर्शन हेतु खुले रहते है।

(नवरात्रि एवं दीपावली दोज मेले के दौरान मंदिर के पट दर्शन हेतु 24 घण्टे खुले रहते है।)

आरती का समय

ग्रीष्मकालीन

माता मंदिर आरती प्रातः 7:00 बजे एवं सायंकालीन आरती 08:00 बजे
कुंअर बाबा मंदिर आरती प्रातः 7:30 बजे एवं सायंकालीन आरती 08:30 बजे

शीतकालीन

माता मंदिर आरती प्रातः 8:00 बजे एवं सायंकालीन आरती 07:00 बजे
कुंअर बाबा मंदिर आरती प्रातः 8:30 बजे एवं सायंकालीन आरती 07:30 बजे
(शयन आरती के बाद मंदिर के पट बन्द कर दिये जाते है अगले दिन पुनः पट खुलते है)

रतनगढ़ दर्शन

जय माता दी

मंदिर में दर्शन कैसे होंगे

रूट-1

(दतिया, सेंवढ़ा की ओर से भगुवापुरा/चरोखरा प्रवेश मार्ग से आने वाले श्रृद्धालुओं के लिए)

माता मंदिर में दर्शन हेतु मुख्य प्रवेश द्वार से सीढ़ियां चढ़कर भक्त माता मंदिर दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

रूट-2

(ग्वालियर, भिण्ड, मौ, बेहट मार्ग की ओर से आने वाले श्रृद्धालुओं के लिए)

माता मंदिर में दर्शन हेतु कुंअर बाबा कॉरिडोर से होते हुये पैदल मार्ग से भक्त माता मंदिर दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

रतनगढ़ दर्शन

जय माता दी

प्रसाद व्यवस्था

मंदिर परिसर में मां रतनगढ़ सेवा समिति के प्रसाद काउण्टर एवं मां रतनगढ़ सेवा समिति कार्यालय रतनगढ़ पर शुद्ध घी और बेसन से निर्मित प्रसाद उपलब्ध रहता है।

प्रसाद पैकेट का मूल्य-

150 ग्राम 50रु. एवं 300 ग्राम 100 रुपये में मिलता है।

(प्रसाद काउण्टर से प्रसाद नगद या ऑनलाईन भुगतान कर प्राप्त कर सकते है।

रतनगढ़ वाली माता मंदिर पर आयोजित होने वाले वार्षिक मेले

प्रति सोमवार-

वर्ष भर प्रति सोमवार लगभग 30 से 40 हजार श्रृद्धालु मंदिर पर दर्शन के लिए आते है।

चैत्र नवरात्रि-

चैत्र नवरात्रि पर प्रतिवर्ष नौ दिवसीय मेले का अयोजन किया जाता है जिसमें अष्ठमीं एवं नवमीं को 2 से 3 लाख श्रृद्धालु मंदिर पर दर्शन के लिए आते है।

शारदीय नवरात्रि-

शारदीय नवरात्रि पर प्रतिवर्ष नौ दिवसीय मेले का अयोजन किया जाता है जिसमें अष्ठमीं एवं नवमीं को 2 से 3 लाख श्रृद्धालु मंदिर पर दर्शन के लिए आते है।

रतनगढ़ वाली माता मंदिर पर आयोजित होने वाले वार्षिक मेले

गुप्त नवरात्रि-

प्रति वर्ष जनवरी-फरवरी, जुलाई-अगस्त में दो बार गुप्त नवरात्रि पर नौ दिवसीय मेले का आयोजन किया जाता है जिसमें प्रतिदिन लगभग 50 हजार श्रृद्धालु मंदिर पर दर्शन के लिए आते है।

दीपावली दोज मेला-

प्रति वर्ष अक्टूबर/नबम्वर माह में दीपावली दोज मेला (लक्खी मेला) का आयोजन किया जाता है जिसमें 25 से 30 लाख श्रृद्धालु मंदिर पर दर्शन के लिए आते है। इस आयोजन में तीन दिवस के लिए मेला व्यवस्था लगाई जाती है।

(इसी मेले में सर्पदंश से पीड़ितों के बन्ध काटे जाते है।)

रतनगढ़ दर्शन

जय माता दी

कैसे पहुंचें रतनगढ़ धाम -

एयर कनेक्टिविटी-

नजदीकी एयरपोर्ट ग्वालियर एवं दतिया पर वाली फ्लाईट के माध्यम से आकर सड़क मार्ग के द्वारा आसानी से पहुंचा जा सकता है।

रेल मार्ग-

देश के सभी बड़े शहरों से दतिया, ग्वालियर के लिए सीधी ट्रेन है यहां से आसानी से सड़क मार्ग के द्वारा रतनगढ़ पहुंचा जा सकता है।

सड़क मार्ग-

1. दतिया की ओर से इन्दरगढ़, चरोखरा/भगुवापुरा होते हुये रतनगढ़ पहुंचा जा सकता है।
2. ग्वालियर की ओर से बेहट, रनगवां के रास्ते रतनगढ़ पहुंचा जा सकता है।
3. भिण्ड की ओर से वाया मौ रनगवां होते हुये तथा मौ, ग्यारा मोड, लोकेन्द्रपुर खमरौली होते हुये रतनगढ़ पहुंचा जा सकता है।
4. ऊरई, जालौन, नदीगांव, लहार, सेंवढ़ा की ओर से भगुवापुरा मार्ग से रतनगढ़ पहुंच सकते है।

रतनगढ़ वाली माता मंदिर के आस-पास दार्शनिक स्थल

पीताम्बरा पीठ-

दतिया के प्रसिद्ध पीताम्बरा पीठ मंदिर की स्थापना 1935 में की गई थी। यह मंदिर बगुलामुखी देवी और धूमावती माता को समर्पित है। रतनगढ़ से इसकी दूरी 65 कि.मी. है।

उनाव बालाजी सूर्य मंदिर-

दतिया जिले में उनाव नामक स्थान पर स्थित उनाव बालाजी सूर्य मंदिर एक प्राचीन मंदिर है, जहां सूर्य देव को जल चढ़ाने से असाध्य रोगों से मुक्ति मिलती है। रतनगढ़ से इसकी दूरी 73 कि.मी. है।

सनकुंआ धाम सेंवढ़ा-

सेंवढ़ा सिन्ध नदी पर स्थित सनकुंआ धाम ब्रम्हा जी के मानस पुत्र सनक, सनंदन, सनातन, सनतकुमार की तपोभूमि है। इसे 68 तीर्थो का भान्जा कहा जाता है। धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से यह स्थान प्रसिद्ध है। रतनगढ़ से इसकी दूरी 26 कि.मी. है।

जय माता दी

रतनगढ़ वाली माता मंदिर के आस-पास दार्शनिक स्थल

रावतपुरा सरकार धाम-

रावतपुरा सरकार धाम रतनगढ़ से 45 कि.मी. की दूरी पर स्थितप्राचीन हनुमान मंदिर है जहां चारों धामों के मंदिरों के दर्शन आप कर सकते है। मंदिर के पट दोपहर 12:00 बजे से शाम 4 बजे तक बन्द रहते है।

दंदरौआ सरकार-

डॉ. हनुमान के नाम से ख्यातिलब्ध ''गोपी वेश धारी'' श्री हनुमान जी की प्रस्तर मूर्ति यहां लोगों के दर्द के हरण के लिए जानी जाती है। लाखों भक्त यहां दर्शन के लिए पहुंचते है। मंगलवार एवं शनिवार को यहां मेला लगता है। रतनगढ़ माता मंदिर से सेंवढ़ा होते हुये दंदरौआ मंदिर की दूरी लगभग 55 कि.मी. है।

रतनगढ़ दर्शन

जय माता दी

रतनगढ़ वाली माता मंदिर के आस-पास दार्शनिक स्थलों का रूट मैप

जय माता दी

कहां रुक सकते हैं..

रतनगढ़ वाली माता मंदिर पर रुकने के लिए डोरमेट्री/
कमरे की व्यवस्था है। इसके लिए आप
मां रतनगढ़ सेवा समिति के कार्यालय में जाकर
ऑनलाईन या नगद भुगतान कर सेवा का लाभ ले सकते है।

नॉन ए.सी. रूम-1000/-

ए.सी. रूम - 1500/-

(नवरात्रि/दीपावली दोज मेले के दौरान यह सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी)

जय माता दी

जानकारियां जो रतनगढ़ वाली माता मंदिर जाने में आपके काम आएंगी...

1. निजी वाहन पार्किंग स्थल बसई मलक से, ई-रिक्सा की सुविधा उपलब्ध है। पार्किंग स्थल से मंदिर की दूरी 3 कि.मी. है।
2. मंदिर में दान,पंडा-पुजारी, पूजन और अन्य जानकारी के लिए मां रतनगढ़ सेवा समिति रतनगढ़ के कार्यालय पर सम्पर्क कर सकते है।
3. मंदिर के आस-पास पुलिस सहायता के लिए अतरेटा थाना प्रभारी/चौकी प्रभारी रतनगढ़ से सम्पर्क कर सकते है।
4. श्रृद्धालुओं की सुविधा के लिए शुद्ध पेयजल, विश्राम गृह, फैसिलिटी सेंटर पर दवा की व्यवस्था निःशुल्क उपलब्ध है।
5. मंदिर में सहयोग हेतु दानदाताओं के लिए जगह-जगह दान पात्र रखे गये है तथा ऑनलाईन दान के लिए QR CODE लगाये गये है। मां रतनगढ़ सेवा समिति के कार्यालय में नगद एवं ऑनलाईन भुगतान कर रसीद प्राप्त कर सकते है।

रतनगढ़ दर्शन

जय माता दी

रतनगढ़ घंटा - मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ माता मंदिर में स्थित देश का सबसे बड़ा और सबसे अधिक बजन वाला 1935 किलोग्राम का घंटा है इसे 9 धातुओं से बनाया गया है। जिसे 16 अक्टूबर 2015 को चढ़ाया गया था।

जय माता दी

॥ जय माँ रतनगढ़ वाली ॥

माता रतनगढ़ वाली मंदिर

तह.सेंवढ़ा, जिला-दतिया(म.प्र.)

॥ जय कुंवर महाराज ॥

pnb

SCAN & PAY USING ANY BHIM UPI APP

MERCHANT: MAA RATANGARH SEVA SAMITI

माता रतनगढ़ वाली मंदिर को दिव्य और भव्य बनाने के लिए चल रहे निर्माण कार्यों के लिए दान देकर अपना अमूल्य सहयोग प्रदान करें।

ई दान महादान

रतनगढ़ दर्शन

जय माता दी

जय माँ रतनगढ़ वाली, जय कुंअर बाबा महाराज

माता रतनगढ़ वाली मंदिर सेवा समिति में विद्यमान पदाधिकारियों की सूची

1. श्रीस्वप्निल जी. वानखड़े (कलेक्टर दतिया) 9407020000 - अध्यक्ष
2. श्री अक्षय तेमवाल (सी.ई.ओ.जिला पंचायत दतिया) 7501351935 - उपाध्यक्ष
3. श्री अशोक अवस्थी (एस.डी.एम. सेंवढ़ा) 9893822950 - सचिव
4. श्री राजेन्द्र जाटव (तहसीलदार सेंवढ़ा) 8319867126 - कोषाध्यक्ष
5. श्री एन.के.पाठक (एस.डी.ओ. ग्रा.यां.सेवा सेंवढ़ा) 9425755785 - संयुक्त सचिव
6. श्री अशोक शर्मा (सी.ई.ओ. जनपद पंचायत सेंवढ़ा) 7770819999 - सदस्य
7. श्री रमाशंकर पाल (रा.नि.मंगरौल) 9893383461 - सदस्य

-: संकलन :-

शैलेन्द्र गुबरेले
9753453433,

नारायण सक्सैना
9039418661